अवसर लागत का सिद्धांत

(The theory of Opportunity Cost)

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अवसर लागत सिद्धांत का प्रतिपादन प्रो० हैबरलर (G.V. Haberler) ने किया है। रिकार्डो के तुलनात्मक लागत सिद्धांत की सबसे कड़ी आलोचना इस बात को लेकर की गई है कि वह मूल्य के श्रम सिद्धांत (Labour theory of value) पर आधारित है। इसका मतलब यह हुआ कि केवल श्रम ही उत्पादन का साधन है श्रम समरूप (Homogenous) होता है तथा सभी वस्तुओं के उत्पादन मे एक ही निश्चित अनुपात (Same fixed proportion) मे इसका व्यवहार किया जाता है। लेकिन ये मान्यता है वास्तविक नही है क्योंकि (i) केवल श्रम ही उत्पादन का साधन नही है वरन् उत्पादन के लिए भूमि, पूँजी एवं अन्य साधनो की भी आवश्यकता पड़ती है। (ii) श्रम समरूप न होकर विभिन्न रूप (Heterogenous) होता है तथा (iii) विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन मे श्रम का उपयोग एक निश्चित अनुपात मे न होकर विभिन्न अनुपात (varying proportion) मे होता है। हैबरलर ने रिकार्डो के सिद्धांत की इन्ही कमियो को दूर करने के लिए अवसर लागत सिद्धांत का प्रतिपादन किया है और तुलनात्मक लागत सिद्धांत की व्याख्या प्रतिस्थापन वक्र रेखा (Substitution Curve) के रूप मे की है जिसे सैम्युलसन (Samuelson) उत्पादन संभावना वक्र रेखा (Production Possibility curve) अथवा रूपान्तरण वक्र रेखा (Transformation curve) और लर्नर (Lerner) उत्पादन तटस्थता वक्र रेखा (Production indifference curve) अथवा उत्पादन फ्रान्टीयर (Production frontier) कहते है।

अवसर लागत सिद्धांत यह बतलाता है कि यदि कोई देश X अथवा Y वस्तु का उत्पादन करता है तो X वस्तु की अवसर लागत Y वस्तु की वह मात्रा है जिसका परित्याग X की एक अतिरिक्त इकाई के उत्पादन के लिए किया जायेगा। इस प्रकार दो वस्तुओं के बीच विनिमय अनुपात (Exchange ratio) को उनकी अवसर लागतो के रूप मे व्यक्त किया जाता है। हैबरलर का यह सिद्धांत निम्नलिखित मान्यताओं पर आधारित है:-

(1) केवल दो ही देश है।
(2) प्रत्येक देश के पास श्रम एवं पूँजी दो उत्पादन के साधन है।
(3) प्रत्येक देश केवल दो ही वस्तुओं का उत्पादन करता है।
(4) साधन (Factor) एवं वस्तु-बाजार दोनो मे पूर्ण प्रतियोगिता (Perfect competition) है।

Scanned with CamScanner

(5) प्रत्येक वस्तु का मूल्य (Price) सीमान्त मौद्रिक लागत (Maragina money cost) के बराबर है।

(6) प्रत्येक साधन का मूल्य (Price) उसकी सीमान्त मूल्य उत्पादकता (Maraginal value productivity) के बराबर है।

(7) प्रत्येक साधन की पूर्ति स्थिर (fixed) है।

(8) प्रत्येक देश मे पूर्ण रोजगार की स्थिति है।

(9) तकनीक (Technology) मे कोई परिवर्तन नही होता है।

(10) दो देशो के बीच साधन अगतिशील (immobile) है।

(11) देश के अन्दर साधन पूर्णतः गतिशील (Perfectly mobile) है।

(12) दो देशो के बीच व्यापार स्वतंत्र एवं अनावरित (Free and unrestricted) है।

इन मान्यताओ पर आधारित उत्पादन संभाव्यता वक्र रेखा दो वस्तुओ के उन विभिन्न वैकल्पिक (alternative) मिश्रणो (combinations) को दिखलाती है जिनका उत्पादन कोई देश अपने दिये हुए साधनो एवं उपलब्ध तकनीक के द्वारा कर सकता है।

Scanned with CamScanner